1992–93 के दौरान तिलहन का अनुमानित उत्पादन 19.0 मिलियन टन के उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 20.0, मिलियन टन रहा है ।

(ग) जी हां ।

(घ) 1992–93 के दौरान इसका क्षेत्र गत वर्ष के समान 25.4 मिलियन हैक्टेयर स्तर का रहा ।

(ङ) प्रश्न नहीं होता ।

विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय सहायता

520. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्र सरकार द्वारा विशेष खाद्यान्न उत्पादन कायक्रम के अन्तर्गत देश में अनेक संस्थाओं की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990–91, 1991–92 तथा 1992-93 में जनवरी तक पृथक-पृथक कुल कितनी सहायता-राशि दी गई है ;

(ग) क्या इस अवधि के दौरान कतिपय नये उन्नत किस्म के बीजों का विकास किया गया है ;

(घ) यदि हां, तो विकासित किस्म के बीजों सहित उन्नत खाद्यान्नों का ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) खाद्यान्न-उत्पादकों की उन्नत किस्म के इस बीजों की जानकारी देने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) इस तरह विशेष खाद्यान्न उत्पादन कायक्रम के अधीन देश में किसी संस्थान को भारत सरकार द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जा रही है फिर भी, कृषकों को प्रोद्योगिकी का प्रभावी अंतरण करने हेतु फंटलाईन प्रदर्शन आयोजित करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का धनराशि प्रदान की जाती है ।

(ख) भारतीय कृषि अनसंधान परिषद को प्रदान की गई राशि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :—

(लाख रुपये में)

फसल	1990–91	1991–92	1992–93 (जनवरी तक)
चावल	30.00	17.00	शून्य
गेहूं	शून्य	शून्य	10.00

(ग) जी, हां ।

(घ) इस अवधि के दौरान विकसित एवं अधिसूचित किस्मों के विवरण निम्न प्रकार हैं :—

फसल	1990–91	1991–92	1992–93 (जनवरी तक)
चावल	12	14	12
गेहूं	7	4	5
मोटे अनाज	19	13	6
दालें	3	21	16

(ङ) हाल ही में विकसित किस्मों से उत्पादकों को अवगत/परिचित कराने हेतु बीज मिनिकिट वितरित किये जाते हैं ।